रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2018–20

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

1979 इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट 2020

पत्र व्यवहार हेतु पता
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही,
कानपुर–208014

वर्ष –42 ● अंक –3 ● कानपुर 1 से 15 फरवरी 2020 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹100

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जायेगा

- ✓ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के चिकित्सक शिक्षित, प्रशिक्षित एवं विधिवत पंजीकृत चिकित्सक हैं
- ✓ संविधान और कानून के अनुसार चिकित्सा करने का पूर्ण अधिकार है
- ✓ C.M.O. Office द्वारा जिला पंजीयन के नाम पर उत्पीड़न
- ✓ कुछ जनपदों से ऐसे पत्र जारी हुये जो C.M.O. Office द्वारा जारी ही नहीं किये गये हैं
- ✓ C.M.O. Office कर्मचारी दबाव बनाकर वसूली करने का प्रयास कर रहे हैं

प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों का जिले के मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में पंजीयन के नाम पर उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जायेगा क्योंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक शिक्षित एवं विधिवत पंजीकृत चिकित्सक हैं और देश के संविधान और

कानून के अनुसार उनको चिकित्सा करने का पूर्ण अधिकार है यह बात बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद ने एक साक्षात्कार में कही, डा0 अहमद से मिलने विभिन्न जनपदों से आये चिकित्सकों द्वारा बताया गया कि उनके जनपद में मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालयों द्वारा जिला पंजीयन के नाम पर उत्पीड़न किया जा रहा है, चिकित्सकों ने बताया कि कार्यालयों के कर्मचारियों द्वारा बिना किसी जांच के नोटिस भेज दिया जाता है कि आप चिकित्सा नहीं कर सकते हैं कारण भी पूर्णतयः स्पष्ट नहीं करते हैं कभी पंजीयन की बात लिखते हैं तो कभी दवाओं के सम्बन्ध में पूरी तरह उत्पीड़न करने का प्रयास करते हैं वह अपने नोटिस देते समय यह भूल जाते हैं कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक एक शिक्षित तथा प्रशिक्षित चिकित्सक है और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अधिकार प्राप्त भी है इसके लिए बकायदा उत्तर प्रदेश सरकार 4 जनवरी, 2012 को शासनादेश जारी कर चुकी है और इस आदेश की प्रति समय समय पर मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को उपलब्ध करायी जा चुकी है, चिकित्सकों ने यह भी बताया कि कभी कभी तो मुख्य चिकित्साधिकारी के बिना संज्ञान के ही इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को नोटिस दे दिया जाता है, कभी कभी तो वह अपना कर्मचारी अपनी मनमर्जी से इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों से उगाही करने के लिए नोटिस भेजकर अनैतिक कार्य करने का प्रयास भी करते हैं जिसके कारण सीधे साधे चिकित्सक भयभीत हो जाते हैं चिकित्सालय ही बन्द कर देते हैं यह बात सुनकर डा0 अतीक अहमद ने आये हुए चिकित्सकों को आश्वासन देते हुए कहा कि यह उत्पीड़न कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारियों सहित अन्य उच्च अधिकारियों को लिखा जायेगा तथा उनसे शासनादेश एवं महानिदेशालय चिकित्सया एवं स्वास्थ्य सेवायें उ0प्र0 द्वारा जारी आदेशों का कड़ाई से पालन कराने के लिए कहा जायेगा उन्होंने कहा कि भविष्य में यदि कहीं ऐसी समस्या आये तो वह तुरन्त बोर्ड से सम्पर्क करें, साथ ही उन्होंने ने चिकित्सकों से कहा कि वह अपना रजिस्ट्रेशन अद्यतन रखें तथा प्रत्येक वर्ष 30 अप्रैल से पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय में पंजीयन के नवीनीकरण का आवेदन अवश्य करें जिससे माननीय उच्च न्यायालय में लम्बित अवमानना वाद संख्या 820/2002 राजेश कुमार श्रीवास्तव बनाम श्री ए0 पी0 वर्मा मुख्य सचिव उ0 प्र0व अन्य में पारित आदेश दिनांक 28 जनवरी, 2004 की अवमानना न हो।

डा0 अहमद ने कहा कि विगत माह बस्ती जनपद में बड़ी संख्या में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों को ऐसे ही नोटिस दिये गये थे तब बोर्ड ने मुख्य चिकित्साधिकारी को तुरन्त वस्तुस्थिति से अवगत कराया था जिससे मुख्य चिकित्साधिकारी ने संतुष्ट होकर संशोधित पत्र जारी किया इसी प्रकार कुछ जनपदों से ऐसे ही पत्र जारी होने की सूचनायें मिल रही हैं जो कार्यालय द्वारा जारी ही नहीं किये गये हैं और उनपर कर्मचारी दबाव बनाकर वसूली करने का प्रयास कर रहे हैं ऐसे लोगों के विरुद्ध कार्यवाही कराने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को लिखा गया है, उन्होंने चिकित्सकों को यह भी आश्वस्त किया कि बोर्ड की पंजीयन समिति की बैठक अतिशीघ्र बुलाकर इस विषय पर आगे की रणनीति तय की जायेगी यदि आवश्यक होगा तो बोर्ड की प्रबन्ध समिति में भी इस सम्बन्ध में विचार किया जायेगा लेकिन हर स्थिति में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों का उत्पीड़न किसी भी स्थिति में नहीं होने दिया जायेगा।

डा0 अहमद ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सकों का आवाहन किया कि वह इलेक्ट्रो

शेष पेज 4 पर

केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी को सराहा

माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री श्री अश्वनी कुमार चैबे जी के दिल्ली स्थित आवास पर आयोजित मकर संक्रांति समारोह के अवसर पर सिंहा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डा0 के0 पी0 सिंहा, उप निदेशक डा0 प्रभात कुमार श्रीवास्तव, रिसर्च एडवाइज़र डा0 अभिषेक कुमार व डा0 के0 के0 नेहरा, आई0 ई0 एच0 एम0 सी0 अध्यक्ष डा0 वी कुमार तथा अहिल्या देवी हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर के निदेशक डा0 अजय हॉर्डिया को आमंत्रित किया गया।

समारोह में दिल्ली स्टेट कैन्सर इन्सटीटयूट के पूर्व निदेशक पद्मश्री से सम्मानित डा0 आर0 के0 ग्रोवर व सीनियर ऑनकोलॉजिस्ट डा0 अरुण कुमार झा से इन्दौर कैन्सर सेन्टर में रोगियों को मिल रहे अभूतपूर्व लाभ के सम्बन्ध में तथा ऑनकोलॉजी के विभिन्न तकनीकी बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा हुयी।

माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री अश्वनी कुमार चौबे जी मकर संक्रांति के अवसर पर शुभ चिन्तकों से पुष्पगुछ स्वीकार करते हुये – छाया गज़ट

शुभ लक्षण

माननीय गजेन्द्र सिंह शेखावत केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री की इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आयोजन में उपस्थिति इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिए शुभ संकेत से कुछ कम नहीं है क्योंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की स्थापना के लिये यह ऐसे दूसरे मंत्री हैं जिन्होंने इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिये मुखर होकर मंच से सहयोग देने का आश्वासन दिया है, माननीय मंत्री जी ने राजस्थान राज्य के इलेक्ट्रो होम्योपैथिक संगठनों सहित आयोजन मे सम्मिलित चिकित्सकों को सम्बोधित करते हुये स्पष्ट रुप से कहा है कि वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिये हर सम्भव सहयोग व समर्थन देंगे, इससे पूर्व बिहार राज्य से निर्वाचित सांसद माननीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री अश्वनी कुमार चौबे जी ने निरन्तर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति व इसके चिकित्सकों पर विश्वास करते हुये इनको सहयोग व समर्थन ही नहीं अपितु अपने संसदीय क्षेत्र में होने वाले केन्द्र सरकार द्वारा आयोजित स्वास्थ्य मेले में भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी का एक शिविर भी आयोजित कराकर यह संदेश दिया कि वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिये हर सम्भव प्रयास कर रहे हैं और माननीय मंत्री जी आवश्यकता पड़ने पर सदैव तत्पर रहते हैं।

माननीय मंत्री जी की प्रेरणा से ही पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति से कैंसर रोग के इलाज के लिए अनेकों केन्द्र स्थापित किये जा चुके हैं और निरन्तर ऐसे केन्द्रों को स्थापित किया जा रहा है यह इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए बहुत शुभ लक्षण है क्योंकि यदि इसी प्रकार राजनीतिक दलों का सहयोग मिलता रहेगा खासतौर पर सत्ता पक्ष के लोगों का तो निश्चित ही सफलता मिलने में और आसानी हो जायेगी वैसे तो इलेक्ट्रो होम्योपैथी को सदैव राजनीतिक दलों का सहयोग मिलता रहा है, आपको याद होगा कि मध्य प्रदेश में भी इसी प्रकार का सहयोग सत्तापक्ष से मिला था अब यह इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संगठनों को चाहिये कि वह ऐसे सहयोग पाने के लिए निरन्तरता बनाये रखें और इसी प्रकार के कार्यक्रम करते रहें जिससे राजनीतिज्ञों का सहयोग तथा समर्थन मिलता रहे, जैसा कि 11 जनवरी, 2020 से ऐसे कार्यक्रमों का लक्ष्य पूर्व निर्धारित था कि वर्तमान वर्ष में इस प्रकार के आयोजन किये जायेंगे जिससे आमजन का समर्थन प्राप्त हो साथ ही राजनैतिक संरक्षण प्राप्त करते हुए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों का सहयोग व समर्थन प्राप्त कर भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा निर्धारित मापदण्डों को पूर्ण करने में सफलता प्राप्त हो सके इस प्रकार जहां इलेक्ट्रो होम्योपैथी को आमजन में लोकप्रिय बना सकते हैं वहीं अन्तरविभागीय समिति द्वारा वांछित सूचनाओं एवं आकड़ों को भी संकलित कर सकते हैं इसके लिए हमें लगातार युद्ध स्तर पर कार्य करना होगा तभी हमे सफलता प्राप्त होगी।

केन्द्र सरकार के मंत्रियों के सहयोग व समर्थन से शासन स्तर पर भी पैठ बनाकर अपने कार्य का प्रर्दशन कर सकते हैं इसके लिए एक निश्चित कार्य योजना बनानी होगी इस कार्य योजना को मूर्त रूप देने के लिए संयुक्त संशोधित प्रपोजलकर्ताओं तथा प्रपोजल कर्ताओं के दूसरे समूह को इसमें अपना भरपूर सहयोग करना चाहिये क्योंकि अन्तरविभागीय समिति द्वारा वांछित सूचनाओं एवं साक्ष्यों को उपलब्ध कराने का दायित्व इन्हीं व्यक्तियों का है यदि वह इस कार्य में रूचि लेते हैं तो देश के अनेक क्षेत्रों में कार्य कर रहे इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संगठनों को बल मिलेगा और उनके द्वारा किये गये कार्यों का लाभ इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता में लाभकारी होगा।

देश की वर्तमान सरकार नवीन चिकित्सा पद्धतियों के विकास के प्रति प्रयत्नशील है और इसका प्रयास इस स्तर तक देखा जा रहा है कि सरकार चिकित्सा पद्धति को मान्यता देने के पश्चात संयुक्त राष्ट्र संगठन तक पैरवी कर रही है इसके अतिरिक्त जिन चिकित्सा पद्धतियों को जनहित में उपयोगी पा रही है उन्हें निःसंकोच मान्यता प्रदान कर रही है जहां तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी का प्रश्न है इसको मान्यता देने के लिए सरकार गम्भीर है और अब यह हमारे उन साथियों पर निर्भर करता है कि वह मान्यता प्राप्त करने के लिए कितने गम्भीर हैं अब तो इलेक्ट्रो होम्योपैथी के साथ दो–दो केन्द्रीय मंत्री भी हैं।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक का जन्मोत्सव मनाया गया

लक्ष्मीपुर – माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी जी का 211 वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया, कार्यक्रम का शुभारम्भ डा0 मैटी जी की प्रतिमा पर वरिष्ठ पत्रकार श्री एन0 के0 मिश्र, पत्रकार साजिद अली व संस्था की प्रबन्धिका डा0 संजीता शर्मा ने माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया, इस अवसर पर जानकारी देते हुए माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट के प्राचार्य डा0 राकेश शर्मा ने बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी की यह चिकित्सा पद्धति अपने आप में विलक्षण है जो किसी भी मर्ज में चमत्कारिक रूप से कार्य करती है तथा असाध्य रोगों को भी ठीक करती है, आज लोग डा0 मैटी की इस इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति में प्रशिक्षण प्राप्त कर समाज सेवा के साथ साथ रोजगार का लाभ प्राप्त कर रहे हैं यह हमारा सौभाग्य है कि अब कोई भी जो निर्धारित शैक्षिक योग्यता पूरी करता हो वह बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0 प्र0 द्वारा संचालित कोर्स पूरा कर बोर्ड से पंजीकृत होकर चिकित्सक के रूप में अपना चिकित्सकीय व्यवसाय कर सकता है, यह बोर्ड उ0प्र0 सरकार द्वारा शासनादेश प्राप्त है कार्यक्रम को डा0 अरुण श्रीवास्तव, डा0 अमित विश्वकर्मा, डा0 हसन अली, डा0 कीर्तिका शर्मा आदि ने सम्बोधित किया डा0 संजीता शर्मा ने डा0 मैटी द्वारा समाज के प्रति इस योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर सोमनाथ दीक्षित, अनुपम गौड़, आयशा शेख, प्रवेश शर्मा, दीपिका सिंह, कल्पना श्रीवास्तव, अर्चना विश्वकर्मा, व रामसागर मौर्या आदि छात्र तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मैटी के 211वें जन्मोत्सव पर मैटी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए डा0 शिव कुमार पाल

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा शिविर सम्पन्न

जौनपुर – भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों के सहयोग से श्री रामअधार मौर्य की तीसरी पुण्य तिथि के अवसर पर 300 गरीबों का स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधियां वितरित की गयीं इस अवसर पर डा0 प्रमोद कुमार मौर्या, डा0 प्रीति मौर्या ने विशेष योगदान दिया।

मैटी के 211वें जन्मोत्सव पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर में डा0पी0 के0 मौर्या–छाया गज़ट

इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कैन्सर जैसी बीमारी का इलाज सम्भव–डा0 बख्शी

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से कैन्सर, किडनी, डायबिटीज़ ,डेंगू ,स्वाइन फ्लू जैसी बीमारियों का इलाज कम खर्च में सम्भव है यह बात काउन्सिल ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक सिस्टम ऑफ मेडिसिन, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित भोपाल में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 211 वें जन्मोत्सव के अवसर पर हैदराबाद दक्षिण भारत से आये डा0 के0 ए0 बख्शी ने कही, डा0 बख्शी ने कहा कि देश ही नहीं वरन विदेशी मरीजों ने भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी से उपचार कराकर स्वास्थ्य लाभ पाया है, देश में इस इलेक्ट्रो होम्योपैथी पद्धति के लगभग 5 लाख चिकित्सक हैं जो नागरिकों का इलाज कर रहे हैं डा0 बख्शी ने बताया कि इस पद्धति के बारे में लोगों को भ्रम होता है कि यह होम्योपैथी का स्वरूप है, जबकि होम्योपैथी और इलेक्ट्रो होम्योपैथी दोनों अलग अलग चिकित्सा पद्धतियां हैं इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति में दवाओं के ग्रुप हैं जिससे बीमारी के अनुसार औषधियों का चयन करने में आसानी रहती है, इस अवसर पर डा0 बख्शी ने कई इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों को सम्मानित भी किया ।

विदित हो कि डा0 के0 ए0 बख्शी तेलंगाना राज्य स्थित काउन्सिल ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक सिस्टम ऑफ मेडिसिन एण्ड रिसर्च इन्सटीट्यूट के संचालक एवं सभापति हैं।

मान्यता हेतु निर्धारित मापदण्ड पूरे करने का इहपरसी का दावा

इलेक्ट्रो होम्योपैथी को विनियमित करने के सम्बन्ध में

इलेक्ट्रो होम्योपैथी रिसर्च सेन्टर एण्ड इन्सटीटयूट के विचार प्रश्नोत्तर के रुप में

1- The system should have its own Fundamental Principles of Health and disease must differ in concepts from those of recognised systems in the Country. It should be a comprehensive System of Health Care and not restricted to few disease only.

इलेक्ट्रो होम्योपैथी को विनियमित करने के लिये भारत सरकार के केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक अन्तरविभागीय जाँच समिति का गठन किया है, अन्तरविभागीय जाँच समिति ने सभी " मैटिज़्म " अथवा " थ्युडरिज़्म " या" स्पैजिरिज़्म " के समर्थक संस्था संचालकों के अभ्यावेदन पर विचार करते हुये कुल " सात अदद " क्रायटेरिया में पूरा करने के लिये निर्धारित किया है इन सात अदद क्रायटेरिया में से पाँच अदद अनिवार्य हैं, उपरोक्त क्रायटेरिया 1 में इलेक्ट्रो होम्योपैथी में हेल्थ और डिज़ीज़ की अपनी स्वतंत्र वैज्ञानिक सिद्धान्त और कन्सेप्ट की व्याख्या करने वाली किताबें अन्तरविभागीय जाँच समिति को उपलब्ध कराया जाना चाहिये उस अभिलेख में यह भी स्पष्ट होना चाहिये कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी अबतक मान्यता प्राप्त सभी चिकित्सा पद्धतियों से भिन्न है साथ ही मानव स्वास्थ्य के लिये यह चिकित्सा पद्धति पूर्ण उपयोगी है, अब प्रश्न यह है कि अन्तरविभागीय जाँच समिति को जो साहित्य उपलब्ध कराया जा रहा है क्या वह उपरोक्त अनिवार्य बिन्दु 1 को पूर्ण कर रहा है ?यदि पूर्ण कर रहा है तो साहित्य अन्तरविभागीय समिति को प्रस्तुत करने में विलम्ब क्यों किया जा रहा है ?या फिर प्रपोज़लिस्ट पिछड़ क्यों रहे हैं मेरा विचार है कि ''थ्युडरिज़्म'' या "स्पैजिरिज़्म" के आधार पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रपोज़लकर्ताओं के पास जो साहित्य है वह साहित्य अपूर्ण है, जो अन्तरविभागीय जाँच समिति द्वारा निर्धारित उपरोक्त अनिवार्य क्रायटेरिया को पूरा करता हो।

2- Substantial literature on concepts aetiology, diagnosis and management of disease like Text-Books including Pharmacopoeia and Formularies and preferably journals if any, should be available in the Country of Origin or in any other Countries where it is currently practiced.

अन्तरविभागीय जाँच समिति द्वारा निर्धारित इस एसेन्शियल क्रायटेरिया को डा0 सुदामा प्रसाद सिंह संस्थापकएवं मानद सचिव द्वारा लिखित पुस्तकें पूर्ण करती हैं, इन पुस्तकों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की **Health Disease, Treatment, Medicines, Diagnosis, Disease-Management, Sourse of Medicines** सभी पौधों की सम्पूर्ण फार्माकोलॉजी, फार्मेसी, फॉर्मूला, स्पष्ट कन्सेप्टस सभी विषयों की विस्तृत व्याख्या करने वाली पुस्तकों की पूरी सीरीज़ है, इन पुस्तकों की सीरीज़ में विदेशी पत्रिकाओं के भी रेफ्रेन्स यथास्थान पर्याप्त अंकित किये गये हैं बिना रेफ्रेन्स के इन पुस्तकों में एक भी वाक्य नहीं कहा गया है।

भारत में डा0 ऑगस्तक फादर मूलर 1879 ई0 में इलेक्ट्रो होम्योपैथी (मैटिज़्म) के प्रथम प्रैक्टिशनर थे यह बात इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संस्थापक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के जीवन काल की ही है, डा0 फादर मूलर द्वारा स्थापित दि होम्योपैथिक पुअर डिस्पेन्सी कंकनाडी मंगलूर में आज भी है, दि होम्योपैथिक पुअर डिस्पेन्सी कंकनाडी मंगलूर के पास मैटी से प्राप्त इलेक्ट्रो होम्योपैथी औषधि के निर्माण की विधि व फार्मूला मौजूद है, उस फार्मूला को अपना कर निर्मित औषधियों को दि होम्योपैथिक पुअर डिस्पेन्सी " फादर मूलर सिद्ध औषधि " के नाम से आज भी मार्केटिंग कर रही है।

3- Information on whether it is recognised officially as a system of medicine in the Country of Origin and/or in any other Country where it is currently practiced.

1880 में काउण्ट सीज़र मैटी ने अपनी औषधियों की मार्केटिंग के लिये एक **Consortium** की स्थापना की थी इसके अन्तर्गत विश्व के अनेक देशों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रैक्टिशनर्स थे इसकी सूचना गूगल वेबसाइट से भी प्राप्त की जा सकती है, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक कई देशों में हैं परन्तु अभी तक किसी भी देश की सरकार ने इसके विकास हेतु विधिवत अधिनियमित किया है या नहीं ! यह पता करना भारत सरकार के लिये आसान है।

इहपरसी के सक्रीय सदस्य डा0 अन्जनी कुमार ने 1982 में जर्मनी से वापस आने के बाद बतायी कि जर्मनी में जे0एस0ओ0 वर्क नाम की एक कम्पनी जर्मनी में इसकी औषधियां निर्मित एवं वितरित करती है, इसका विरण आधुनिक आरोग्य विद्या नामक ई0एच0 न्यूज़ लेटर मासिक पत्रिका के अंक 7 दिनांक 12 जुलाई, 1982 में प्रकाशित किया गया था, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक रिसर्च सेन्टर एण्ड इन्सटीटयूट के संस्थापक सदस्य डा0 अन्जनी कुमार का पश्चिम जर्मनी के दौरा सम्बंधी डा0 राम शंकर जी द्वारा प्रस्तुत साक्षात्कार –

इलेक्ट्रो होम्योपैथी रिसर्च सेन्टर एण्ड इन्सटीटयूट के संस्थापक सदस्य डा0 अन्जनी कुमार ने 12 मई, 1982 से 6 जून, 1982 तक जर्मनी और इंग्लैण्ड में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास की जानकारी के सिलसिले में दौरा किया इन देशों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की वर्तमान स्थिति एवं विकास हेतु जानकारी प्राप्त करने के लिये डा0 कुमार ने निम्न विख्यात लोगों से भेंट की –

a) Mr. Josef Deck - Iridologist (West Germany) 18th May, 1982

b) Mr. Klaus Hans Bayar

c) Mr. Gerhard Markle- J.S.O. Werk 19th May, 1982

d) Mr. Walter Hagen - J.S.O. Werk 20th May, 1982

e) A Homoeopathic Practitioner in Cambrdge (U.K.)

डा0 कुमार द्वारा सहयात्रियों सहित अनेक स्थानों पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चर्चा की गयी, उन्होंने जाना कि पश्चिम जर्मनी में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियां जे0एस0 ओ0 कॉम्प्लेक्स मोड ऑफ मेडिकल ट्रीटमेन्ट के नाम से बनाई व बेची जाती हैं तथा **Therapeutics Index** व पंफलेट नियमित वितरित किये जाते हैं।

4- Documented information on uniqueness of modalities of treatment may be drugs devices or any other methods such as diet, massage, exercise, etc.

अन्तरविभागीय जाँच समिति द्वारा निर्धारित इस एसेन्शियल क्रायटेरिया को डा0 सुदामा प्रसाद सिंह संस्थापक एवं मानद सचिव द्वारा लिखित पुस्तकें पूर्ण करती हैं, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक की औषधियां पौधों के प्राइमरी प्रोडक्टस कार्बनिक उत्प्रेरक केमिकल्स कम्पाउण्ड हैं जिसे केमेस्ट्री की भाषा में एन्ज़ाइम्स कहा जाता है इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियों के गुण धर्म एवं प्रापर्टीज़ अब तक मानव के रोगों की चिकित्सा के लिये व्यवहारित सभी चिकित्सा पद्धतियों के औषधियों से सर्वथा भिन्न हैं इसकी औषधियों की प्रूविंग रोगी शरीर पर की जाती हैं इसकी औषधियां **Law of chemistry** का अनुसरण करते हुये केवल रोगग्रस्त शरीर के अन्दर जैव रासायनिक अभिक्रियाओं को **Catalyse** करती हैं इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियों की विचित्रता एवं विशेषता के विषय में पूछना और जानना अब शेष नहीं रह जाता है, मैं यह समझता हूँ कि **Modern Medical Science** के लिये अब तक **invented** सारे **equipments** यदि इलेक्ट्रो होम्योपैथी में अपना लिये जांये तो इलेक्ट्रो होम्योपैथी मानव कल्याण के लिये विश्व में नम्बर 1 की चिकित्सा पद्धति बन जायेगी।

5- Standardised method of prepartion of Drugs / Devices used in the Therapy and quality controle procedure should be available.

इलेक्ट्रो होम्योपैथी की स्टैण्डर्ड औषधि निर्माण के लिये पूर्व केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री पद्मश्री डा0 सी0 पी0 ठाकुर जी की अध्यक्षता में गठित फार्माकोपिया कमेटी द्वारा संस्तुति पाँच भागों में लिखित " इलेक्ट्रो होम्योपैथी की फार्माकोपिया " है जिसमें इलेक्ट्रो होम्योपैथी की स्टैण्डर्ड औषधि निर्माण के लिये फार्मूला गुण नियंत्रण शर्तों के साथ वर्णित है, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को जब सरकार विनियमित कर दे गी तो " गुण नियंत्रण " की ज़िम्मेदारी सरकार की होगी।

6- Prescribed Criteria for Admission, curricula and training and details of such courses and list of teaching institutions in India / Countries where it is currently recognised system of medicine.

भारत में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति की जितनी भी संस्थायें हैं उतने ही नामांकन के नियम हैं, उतने ही तरह की डिग्री, डिपलोमा और प्रमाण पत्र कोर्स हैं जब तक सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी को विनियमित नहीं करेगी तब तक स्थिति यथावत चलती रहेगी।

इहपरसी के संस्थापक सदस्यों ने इस दिशा में भी काम किया था, 1984 में कालेज की स्थापना की, दो वर्षों तक केवल खाली मकान के किराये का भुगतान अपने निजी वेतन से किया क्योंकि सभी सदस्य सरकारी मुलाज़िम थे फिर भी एक भी नामांकन नहीं हुआ, दो वर्षों तक निरन्तर प्रतीक्षा के उपरान्त जब एक भी नामांकन नहीं होने के कारण अन्ततः कालेज बन्द करना पड़ा।

7- Details of continuing Medical Education Programes and available research Facilities.

भारत में जितनी भी संस्थायें चल रही हैं सभी के अपने–अपने डिग्री, डिपलोमा व सर्टिफिकेट स्तर के कोर्स हैं, प्रैक्टिशनर से अधिक औषधि निर्माताओं की संख्या है सभी यह दावा करते हैं कि उनकी औषधि स्पैजिरिक हैं जो कोहोबेशन विधि से बार–बार डिस्टीलेशन से बनाई गयी हैं, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियों के निर्माण का क्या कोई फार्मूला भी उनके पास है या मात्र **Scrofoloso, Canceroso, Febrifugo** आदि औषधियों के निर्माण को ही **Formula** समझ रहे हैं।

केन्द्र सरकार यदि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक को चिकित्सा पद्धति के रुप में विनियमित करती है तो सरकार ही लाभ में रहेगी क्योंकि जनता को उच्च क्वालिटी की चिकित्सा सेवा के साथ–साथ औषधियां भी सस्ती, सरल, सुलभ उपलब्ध

शेष पेज 4 पर

मान्यता हेतु .... पेज 3 से आगे

हो सकेंगी जो किसी लाकप्रिय सरकार का दायित्व भी है, जिस चिकित्सा पद्धति का व्यवहारिक पक्ष 90 प्रतिशत हो उस चिकित्सा पद्धति से सरल एवं सहज तथा अन्य कोई दूसरी चिकित्सा पद्धति नहीं हो सकती है, जिस चिकित्सा पद्धति की औषधियों का स्रोत मात्र पौधे हों और उसमें भी अधिकांश पौधे भारतीय मूल के हों तो उससे उत्तम कोई अन्य चिकित्सा पद्धति हो ही नहीं सकती, इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति इतनी सरल व सहज है कि विज्ञान **Biology 10+2** के किसी भी शिक्षित व्यक्ति को मात्र 6 माह में कुशल चिकित्सक बनाने की क्षमता मात्र इलेक्ट्रो होम्योपैथी में है, देश के सुदूर देहाती क्षेत्रों में जहाँ चमक–दमक वाले चिकित्सा पद्धति के चिकित्सक नहीं जाना चाहते हों वहां यह विज्ञान के शिक्षित व्यक्ति को प्रशिक्षित कर के " स्व रोजगार योजना " के अन्तरगत भेजा जा सकता है ऐसा करके **HEALTH FOR ALL** के नारे को वास्तविकता में पृथ्वी पर उतारा जा सकता है, देश की वर्तमान कल्याणकारी सरकार लोक हित में इस कार्य को सहजता से कर सकती है, सरकार के इस कार्य के करने से देश के हजारों इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को जहां एक ओर शासकीय संरक्षण व सम्मान मिलेगा वहीं दूसरी ओर जनता को भी स्वास्थ्य लाभ सुगमता से प्राप्त होगा।

मैटी के 211वें जन्मोत्सव पर मीडिया से अपने विचार साझा करते हुये डा0 बख्शी

Electro Homoeopathic Medical Association of India
(An Organization of Electro Homoeopathic Practitioners & Institutions)
Central Office: C-617 Nirman Chowk, Madanpur Khadar Extn. New Delhi-110076
Adm Office: 8-Lal Bagh, Lucknow-226001 E-mail : ehmaik@gmail.com

NOTICE

All Registered Members of Electro Homoeopathic Medical Association of India (E.H.M.A.I.) are hereby informed to renew their membership immediately, you can see your status on www.behm.org.in by clicking link State wise List of Practitioners as shown in bottom on Home Page.

You can Re-new your membership using net banking or by RTGS or by NEFT vide account number 200100100053620 I.F.S.C. Code No:- UTIB0SBMCB1 (Bombay Mercantile Cooperative Bank Ltd. Branch Dariyaganj, New Delhi-110002 or through Bank Draft in favour of Electro Homoeopathic Medical Association of India payable at New Delhi/Delhi and if you need any other assistance or have any quarries regarding Membership please do not hesitate to contact us.

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों का उत्पीड़न

.... प्रथम पेज से आगे

होम्योपैथिक चिकित्सक जागरूकता अभियान में प्रदेश स्तर पर सक्रियता के साथ चिकित्सकों को जोड़ें और जहां जहां इस तरह की समस्यायें हों उससे स्थानीय स्तर पर जिला संयोजक को अवगत कराने के साथ साथ राज्य संयोजक को भी अवगत करायें जिससे उनकी समस्याओं के शमन के लिए प्रभावी कार्यवाही की जा सके इससे स्थानीय प्रशासन के साथ साथ मुख्य चिकित्साधिकारी एवं उनके कार्यालय से सम्बद्ध अधिकारियों / कर्मचारियों से समन्वय स्थापित करने का अवसर भी प्राप्त होगा साथ ही उनको इलेक्ट्रो होम्योपैथी की वास्तविक एवं वैधानिक स्थिति से अवगत कराने का अवसर भी मिलेगा, जब सामंजस्य स्थापित होगा तो अनैतिक कार्यवाही से बचा जा सकेगा, इस प्रकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों को अपने चिकित्सकीय कार्य करने में कोई व्यवधान नहीं होगा।

विदित हो कि राज्य सरकार द्वारा स्पष्ट रूप से कहा जा चुका है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की प्रैक्टिस पर केन्द्र सरकार द्वारा कानून बनाने पर उसके द्वारा पालन किया जायेगा जबकि भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा गठित अन्तरविभागीय समिति द्वारा पहले ही यह कहा जा चुका है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को रोकने के लिए उसका कोई इरादा नहीं है, ऐसी स्थिति में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों के उत्पीड़न का कोई प्रश्न ही नहीं उत्पन्न होता है यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा अनभिज्ञता में कोई कार्यवाही हो जाती है तो उसे सहजता से समझाया जा सकता है इस प्रकार किसी भी प्रकार कार्यवाही से बचा जा सकता है यद्यपि कोई कर्मचारी अनैतिक कार्य में लिप्त पाया जाता है तो उसके विरूद्ध उच्च अधिकारियों से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की जा सकती है, ज्ञातव्य हो कि माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी की प्रैक्टिस पर अपनी सहमति जतायी जा चुकी है ऐसी स्थिति में किसी भी प्रकार का उत्पीड़न बर्दाश्त करने का प्रश्न ही नहीं उठता वर्ष 2020 इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए बहुत ही शुभ प्रतीत हो रहा है सब तरफ से सकारात्मक सूचनायें प्राप्त हो रही है किसी भी समय इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए अच्छा सन्देश मिल सकता है अब हम सब चिकित्सकों का दायित्व है कि सिर्फ और सिर्फ अपने कार्य में लग जायें और अधिक से अधिक कार्य कर जन सामान्य में अपनी लोकप्रियता बढायें जिससे देश की कल्याणकारी लोकप्रिय सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए अभूतपूर्व निर्णय लेते हुए वांछित की पूर्ति कर दे और इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों की बहु प्रतीक्षित मांग की पूर्ति कर दे जिससे इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों को वही सम्मान मिल सके जो अन्य मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धति के चिकित्सकों का है अर्थात वह भी सम्मान के साथ अपना चिकित्सा व्यवसाय कर सके।

मैटी के 211वें जन्मोत्सव पर मैटी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीटयूट के के प्रचार्य डा0 राकेश शर्मा–छाया गजट

धनपत लाल मेमोरियल मेडिकल स्टडी सेन्टर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के शुभ अवसर पर नेता जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये संस्थान के प्रमुख डा0 प्रिंस श्रीवास्तव – छाया गजट